Monday January 31 2022 3:11:22 AM GOVT OF INDIA RNI NO. 6859/61

FARIDABAD

अग्रवाल महाविद्यालय, बल्लभगढ़ में कोविड-19 के दौरान सूचना व संचार प्रौद्योगिकी की भूमिका पर 2-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

(Kiran Kathuria) www.bharatdarshannews.com Saturday,29 January , 2022)

Ballabgarh News, 29 January 2022 (bharatdartshannews.com) : "कोविड-19 के दौरान सूचना व संचार प्रौद्योगिकी की मुख्य भूमिका" विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ के कंप्यूटर साइंस विभाग एवं लर्निंग रिसोर्स सेंटर के अंतर्गत दिनांक 29-30 जनवरी 2022 किया गया। यह सम्मेलन प्राचार्य डॉ. कृष्णकांत गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन व रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा प्रायोजित और अनुमोदित किया गया। कार्यक्रम का आरंभ दीपशिखा प्रज्ज्वलन, सरस्वती वंदना और महाविद्यालय गीत के साथ हुआ। तदुपरांत अतिथि गण को पौधा भेंटकर औपचारिक स्वागत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गुरुग्राम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार रहे। कार्यक्रम के संयोजक पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. रामचंद्र ने सभी का स्वागत किया। सह संयोजक डॉ. गीता गुप्ता ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डाला इसके पश्चात मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों ने पुस्तक 'रोल ऑफ आईसीटी ड्यूरिंग कोविड-19' एंड 'मार्केटिंग ऑफ इंफॉर्मेशन प्रोडक्ट्स सर्विसेज' का विमोचन किया गया। बीज वक्ता प्रोफेसर डॉ. नसीब सिंह गिल (महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक) ने अपने वक्तव्य में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की मुख्य बिंदु पर प्रकाश डाला साथ ही डिजिटल इंडिया, स्मार्ट इंडिया इत्यादि में भारत सरकार का अहम योगदान सांझा किया और साथ ही नई शिक्षा नीति 2020 में रचनात्मक व और नवाचार के पक्ष पर चर्चा की। विशिष्ट अतिथि डॉ. के.पी. सिंह, डी.टी. रक्षा मंत्रालय, डी आर डी ओ, नई दिल्ली ने इस महामारी कोविड-19 के दौरान ई-लर्निंग, ई-संसाधनों और ई-लाइब्रेरी की भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया। महाविद्यालय संरक्षक व संगोष्ठी अध्यक्ष डॉ. कृष्णकांत गुप्ता ने अपने संबोधन में सभी अतिथियों और प्रतिनिधियों का स्वागत किया। उन्होंने समझाया कि डिजिटल आईसीटी अनुसंधान, चिकित्सा और शिक्षण सीखने की प्रक्रिया आदि जैसे सभी कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने समावेश और इक्विटी में आईसीटी की भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने इस सम्मेलन में शामिल होने के लिए सभी मेहमानों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की सफलता के लिए आयोजक सदस्यों को बधाई भी दी। अपने वक्तव्य के अंत में उन्होंने वसुधैव कुटुंबकम की भावना रखते हुए सभी के कल्याण की कामना की। मुख्य अतिथि गुरुग्राम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि आईसीटी उपकरणों ने जीवन को आरामदायक बना दिया है और शिक्षण अधिगम को बहुमत के रूप में संभव बनाया गया है। उन्होंने आईसीटी की मदद से नवाचार और कौशल विकसित करने की आवश्यकता के बारे में बताया। महाविद्यालय के होनहार विद्यार्थियों को आज आत्मरक्षा बचाव के प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में आयोजक सचिव डॉ. सचिन गर्ग ने सभी का धन्यवाद किया। उद्घाटन सत्र में मंच संचालन डॉ. सुप्रिया ढाडा ने किया। सत्र के अंत में अतिथि जनों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का प्रथम चरण डिजिटल माध्यम से डॉ. मनोज शुक्ला अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ की अध्यक्षता में क्रियान्वित हुआ। इस सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर मोहम्मद मुजीब उल इस्लाम, ढाका विश्वविद्यालय बांग्लादेश व जॉन केंदिरी, कंप्यूटिंग और सूचना विभाग केन्याटा विश्वविद्यालय, केन्या से उपस्थित रहे। सत्र संचालन सुश्री पूजा गुप्ता ने किया। द्वितीय सत्र में भी डिजिटल माध्यम से अग्रवाल महाविद्यालय प्राचार्य डॉ.कृष्णकांत गुप्ता जी की अध्यक्षता में संचालित किया गया। इस सत्र में वक्ता प्रशांत पांडे, फ्लिंडर्स विश्वविद्यालय, दक्षिण ऑस्ट्रेलिया व किशोर चंद्र सत्पथी भारतीय सांख्यिकीय विश्वविद्यालय, भारत से उपस्थित रहें। सत्र संचालन सुश्री भावना शर्मा ने किया। आज की अंतिम व तृतीय तकनीकि सत्र डॉ. गीता गुप्ता (सह प्रवक्ता अग्रवाल महाविद्यालय) की अध्यक्षता में किया गया। सत्र संचालन श्री मोहिनी वर्मा द्वारा किया गया। दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में पाँच देशों से 160 वैज्ञानिक व शोधार्थियों ने प्रतिभागिता दर्ज की। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय के प्रवक्तागणों का भरपूर सहयोग रहा।